2024-25

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय आई.टी.बी.पी. भानू

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA ITBP BHANU

विद्यालय पत्रिका

Vidyalaya patrika

संपादक मंडल

श्रीमती मोनिका ,प्राचार्या

श्री शैलेश नारायण (स्नातकोत्तर अध्यापक, अंग्रेजी)

श्रीमती जतिंद्र कौर (स्नातकोत्तर अध्यापिका, हिंदी)

श्री भगवान दास (प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक, हिंदी)

श्रीमती अंजू सिंह (प्रशिक्षित स्नातक अध्यापिक,अंग्रेज़ी)

श्रीमती संतोष रानी (प्रशिक्षित स्नातक अध्यापिका, संस्कृत)

Toppers Class X 2024-25

उपायुक्त

Deputy Commissioner

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम संभाग

Kendriya Vidyalaya sangathan, Regional office,Gurugram

संदेश

Message

विद्यालय तत्कर्म यन्न बंधाय सा विद्या या विमुक्तये।
आयासायापरम कर्म विद्यान्या शिल्पनैपुणम।।
श्री विष्णुपुराण

जो बंधन उत्पन्न न करे वही कर्म है जो मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करे, वह विद्या है शेष कर्म परिश्रमरूप है तथा अन्य विद्यायें तो मात्र कला कौशल ही है।

भारतीय ऋषि-मुनियों व मनीषियों ने ज्ञान (विद्या) को मनुष्य की मुक्ति का साधन कहा है। मनुष्य को भय भूख दुर्विकार दुष्प्रवृत्तियाँ दुराचरण निर्बलता दीनता व हीनता रोग शोक इत्यादि से मुक्ति की अभिलाषा अनंतकाल से है। श्रीविष्णुपुराण का उपरोक्त महावाक्य यही संदेश देता है कि मनुष्य को ज्ञान के द्वारा अपने समस्त क्लेशों से मुक्ति पाने का पुरुषार्थ करना चाहिए । विद्या त्याग और तपस्या का सुफल होता है इसलिए ज्ञान की उपलब्धि सदैव श्रमसाध्य है। आइये हम सभी अनुशासित होकर समर्पण भाव से समस्त उपलब्ध साधनों का मर्यादापूर्वक उपभोग करते हुए ज्ञानार्जन का सद्प्रयास करें। अपनी दिनचर्या में उचित आहार विहार और विचार का समावेश करते हुए व्यक्ति के रूप में प्रकृति प्रदत्त अनंत संभावनाओं को ज्ञान की पवित्र ऊर्जा के आलोक में पल्लवित व पुष्पित करें।

हम सभी कृष्ण यजुर्वेद के तैत्रीय उपनिषद के इस सूत्र का प्रतिदिन अपने विद्यालयों में प्रात:कालीन प्रार्थना सभा में सस्वरपाठ करते हैं

आइये, इस सूत्र में छुपे महान संदेश को समझें और अपने जीवन में आत्मसात कर अपना नित्य कर्म करें । मैं, गुरुग्राम संभाग के समस्त प्राचार्यों, शिक्षकों, विद्यार्थियों, अधिकारियों व कार्मिकों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ और एक सफल व सुखद भविष्य की कामना करता हूँ ।

श्री वरूण मित्र

उपायुक्त

के.वि.सं,क्षेत्रीय कार्यालय,गुरुग्राम

अध्यक्ष संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि केन्द्रीय विद्यालय भानू सत्र 2024-25 के लिए विद्यालय पत्रिका का नया संस्करण प्रकाशित कर रहा है। विद्यालय पत्रिका विद्यार्थियों के लिए अपने सृजनात्मक और नवीन विचारों को अभिव्यक्त करने तथा अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का एक अच्छा मंच है। यह पत्रिका विभिन्न शैक्षणिक क्षेत्रों में विद्यालय की उपलब्धियों को उजागर करने तथा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के सामंजस्यपूर्ण विकास के लिए शैक्षणिक गतिविधियों को बल देने का एक उत्कृष्ट माध्यम है। पाठ्येतर गतिविधियां विद्यार्थियों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सृजनात्मक लेखन निश्चित रूप से शिक्षा में पूर्णता की ओर लेकर जाता है तथा युवा लेखकों को खोजकर्ता बनने में सक्षम बनाता है। मैं प्राचार्या, स्टाफ और छात्रों के प्रयास की सराहना करता हूं। मुझे विश्वास है कि यह संस्थान के लिए गौरव का निर्माण करेगा तथा सभी को विद्यार्थियों की गतिशील गतिविधि तथा उनकी सृजनात्मक क्षमता से अवगत कराएगा।

श्री ए.पी.एसनिम्बाडिया महानिरीक्षक

आई.टी.बी.पी, बी टी सी भानू

अध्यक्ष, विद्यालय प्रबंधन समिति

पीएम श्री के.वि. आई.टी.बी.पी. भानू

प्राचार्या सन्देश

मुझे सत्र 2024-25 की विद्यालय पत्रिका का वर्तमान स्वरूप प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। विद्यालय पत्रिका विद्यार्थियों को रचनात्मक तरीके से अपने विचार और भावनाएं व्यक्त करने के लिए उत्कृष्ट मंच प्रदान करती है।

वैश्वीकरण के इस क्षेत्र में यह अत्यधिक महत्वपूर्ण है कि विद्यार्थी स्वयं को रचनात्मक रूप से अभिव्यक्त करना सीखें तथा सृजनात्मकता के साथ स्कूल पत्रिका के लिए लिखना सीखें|यह एक ऐसी गतिविधि है, जो सत्र के दौरान स्कूल की गतिविधियों और उपलब्धियों को प्रस्तुत करती है।

मैं इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ। मैं उपायुक्त महोदय (केन्द्रीय विद्यालय संगठन गुरुग्राम संभाग) को भी उनके निरंतर सहयोग और बहुमूल्य मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद देती हूं। मैं इस पत्रिका को प्रकाशित करने में योगदान देने वाले छात्रों और शिक्षकों को भी बधाई और शुभकामनाएं देतीहूँ कि वे आगे बढ़ते रहें और प्रयास करते रहें।

श्रीमती मोनिका

प्राचार्या

पीएम श्री के.वि. आई.टी.बी.पी.भानू

हिंदी विभाग

शिक्षक

जीवन में जो राह दिखाए,सही तरह से चलना सिखाए।
माता-पिता से पहले आता,जीवन में सदा आदर पाता।

सबको मान प्रतिष्ठा जिससे, सखी कर्तव्यनिष्ठा जिससे।
कभी रहा न दूर मैं जिससे, वह मेरा पथप्रदर्शक है जो।
मेरे मन को भाता ,वह मेरे शिक्षक कहलाते।

कभी है शांत, कभी है धीर स्वभाव में सदा गंभीर ,
मन में दबी रहे ये इच्छाकाश मैं उन जैसा बन पाती
जो मेरे शिक्षक कहलाते ।

नाम प्रवीन
कक्षा-नौवीं

पानी और धूप

अभी-अभी थी धूप,बरसनेलगा कहां से यह पानी
किसने फोड़े घड़े बदल केकी है इतनी शैतानी।

सूरज ने क्यों बंद कर लिया,अपने घर का दरवाजा
उसकी मां ने भी क्या उसको,बुला लिया कहकर आजा।

जोर-जोर से गरज रहे हैंबादल हैं किसके काका
किसको डांट रहे हैं ,किसनेकहना नहीं सुना है मां का।

नाम-हर्षिता
कक्षा-नौवीं

आजादी

पंछी है कैद अगर,तो उड़ने में कर मदद तू,

रात है काली अगर,दिया जलाकर रोशन कर तू।

बीत गए कई साल रूढ़िवादी विचारों में उलझ कर,

सुलझा मन के भाव तू।

औरत,आदमी या हो कोई बच्चा, सबके जीवन का कर सम्मान तू।

तोड़ दे दीवारें सारी,आगे बढ़ विजयी राह पर।

उन वीरों ने क्या पाया ।अगर तू अब भी डर में खोया ।

उठ जा तू ,छू ले आसमानआजादी पर है सबका हक ।

नाम-कनिष्का

कक्षा- नौवीं

कलएकझलकजिंदगीकोदिखा

कलएकझलकजिंदगीकोदेखा,वोराहोंपेमेरीगुनगुनारहीथी,

फिरढूँढोउसेइधर-उधरवोऑंखमिचौलीकरमुस्कुरारहीथी,

एकअरसेकेबादआयामुझेकरार,वोसहलाकेमुझेसुलारहीथी।

मैंनेपूछलिया- क्योंइतनादर्ददियाकमबख्ततूने,

हँसीऔरबोली-मैंजिंदगीहूँपगले,तुझेजीनासीखारहीथी।

नाम-अवनीतकौर

कक्षा-आठवीं

परिवर्तन- जीवनकीसच्चाई

'परिवर्तनजीवनकीसच्चाई'

येकथनसत्यहै।अगरहमेंऐसीजिंदगीमेंअव्वलहोकरअच्छीजिंदगीजीनीहैतोअपनीजिंदगीकेविभिन्नऔरविचित्रपरिवर्तनोंसेजु

ड़नाऔरउन्हेंअनुभवकरनाहमारेजीवनकाउद्देश्यहोनाचाहिए।हमारेजीवनमेंकईसुख-
दुखकेपलहमेशाआतेरहेऔरऐसेपरिवर्तनोंमेंहमेंअपनीसोचसेकामलेनाचाहिए,
कोईगलतकदमनहींउठानाचाहिए।परिवर्तनहमारेजीवनमेंकाफीमायनेरखताहैऔरहमेंजीनासिखाताहै।जोमनुष्यसमयकेसा
थअपनेअंदरपरिवर्तननलासकेवहजीवनमेंतरक्कीनहींकरसकता,
सफलनहींहोसकता।अतःपरिवर्तनसचमुचहमारेजीवनकीसच्चाईहै।

नाम-खुशी

कक्षा-नौवीं

जीवनकीअभिलाषा

मनुष्यकोशरीरइसलिएमिलाहैकिवहअपनेसमयतथाजीवनकोसफलबनासकेमनुष्यकोअपनीसारीजिम्मेदारियोंकोसमझतेहु
एउनजिम्मेदारियोंपरअधिकध्यानदेनाचाहिए, जिसकेलिएउसेमनुष्यशरीरमिलाहै,
अगरहमअपनेजीवनमेंसचेतहोकरचलेंकि' यहजोजीवनमुझेआनंदहीमिलेगा' कड़वेपनकेलिएतोसारीजिंदगीपड़ीहै,
परंतुबेहतरयहीहोगाकिहमयहसमयमिठाससे,
आनंदसेऔरसमझसेबिताएं।यहीहमारेलिएअच्छाहैऔरहमेंहमेशाखुशरहनाचाहिए।

नाम-सुशीला

कक्षा-नौवीं

लालगुलाब

लालगुलाबकोफूलोंकाराजाभीकहाजाताहै।इसकी200सेअधिकजातियाँहै।यहकईरंगोंकाहोताहै।इसकाप्रयोग
पूजा, सजावटऔरऔषधिकेरूपमेंकियाजाताहै।भारतमें22फरवरीकोगुलाबदिवसघोषितकियागयाहै।

मेरादेश

येमेरादेशसबसेमहानसदाकरनाइसका,
आदरकभीनाकरनाइसकाअपमान।
हमेशाइसेध्यानमेंरखतेहुएआगेसदाबढ़नातुम।
पढ़लिखकरतुमहोनाकामयाब,
कभीनहोनेदेनाइसदेशकाअपमान।

हमेशासिरउठाकरचलनाऔरकहनायहमेरादेशमहान।

इज्जतकरनातुमसदाइसकी

कभीनकरनाइसकाअपमान,

तभीतोबनेगाबनेगायेदेशहमारामहान।

नाम-कनिका

कक्षा-छठी

अनुक्रमांक- 3

पेड़

पेड़लगाओ, पेड़लगाओ,हरा-भराजीवनबनाओ।

छायायहहमकोहैदेते, फलहमकोहैदेते।

बाढ़सेहमकोबचातेहै,प्रदूषणदूरहटातेहै।

हमनेयहठानाहै,हमेंभीपेड़लगानाहै।

पेड़-पौधेहमारेहै,यहहमसबकेप्यारेहै।

सर्दी-गर्मीसहतेहै,नहींकभीकुछकहतेहै।

आओइन्हेंहमप्यारकरें,हमसबमिलकरहरा-भरासंसारकरें।

नाम-दीक्षा,कक्षा-पॉचवी

हिंदीमेरीपहचान

मिसरीसेभीमीठीहैवोमेरीहिंदीभाषाहै।

दिलसेदिलकोजोड़ेजोजिससेजुड़ीहरआशाहै।

मिसरीसेभीमीठीहैवोमेरीहिंदीभाषाहै।

अंग्रेजीभीपढ़ताहूँमैंपरलगेनाउसमेंमेराध्यान।

हिंदीहीमेरीपहचान, हिंदीहीमेरीपहचान।

हिंदीहीमेरीमुस्कान, हिंदीहीमेरीमुस्कान।

जोभूलरहेहैंइसभाषाकोहोतीबड़ीनिराशाहै।

मिसरीसेभीमीठीहैजोवोमेरीहिंदीभाषाहै।

लोरीसुनायेमॉहिंदीमेंभजनहिंदीमेंगातीहै।

प्यारमोहब्बतभराहैजिसमेंमीठेगीतसुनातीहै।

फलेफूलेहैयेआगेबढ़ेमेरेदिलकीयहीअभिलाषाहै।

मिश्रीसेभीमीठीहैजोवोमेरीहिंदीभाषाहै।

वोमेरीहिंदीभाषाहै

अमोलदीपसिंह

कक्षा-आठवीं

मेरा परिवार

मेरी मम्मी कितनी अच्छी,मीठे गीत सुनाती है।
मेरे पापा कितने अच्छे,मीठे फल वो लाते हैं।
मेरा भैया कितना प्यारा,रूप सजीला जिसका न्यारा ।मेरी बहन कितनी प्यारी,हम सब की है वो राजदुलारी ।नाम-भवदीप
कक्षा-पहली

केंद्रीयविद्यालयसंगठन

भारतमेंशिक्षानेअपना, एकनयारूपबनायाहै

केंद्रीयविद्यालयनेइसमें,अपनाखूबनामकमायाहै।

सन् 1963 मेंशिक्षाने,केंद्रीयविद्यालयकेरूपमें

एकनयाजन्मलियाशिक्षाकेइसमैदानमें,

केंद्रीयविद्यालयसंगठननेपूरासाथदिया।

1200 सेअधिकआजहैंकेंद्रीयविद्यालयोंकीगिनती,

शिक्षाकाहैबहुतबड़ामहत्व

इसेसुरक्षितबनाएरखोयहीहैमेरीआपसेविनती।

वर्तमानभारतकेप्रत्येकजिलेमेंकेंद्रीयविद्यालयस्थितहै,

संभागोंकीसंख्यापच्चीस

जैसेदिल्लीऔरमुंबईसंभागभारतमेंप्रसिद्धहै।

चाहेसंभागोंकीसंख्याआजभारतमेंहुईअनेक,

लेकिनकेंद्रीयविद्यालयसंगठनका,

" तत्त्वंपूषन्अपावृणु" नारासभीकाहैएक।

जीवनमेंहैआवश्यकस्वास्थ्यऔरखेल-कूद,

केंद्रीयविद्यालयोंमेंयहसबहोतेहैंमौजूद।

नाम -तानिया

कक्षा- पॉचवीं

वतनपेमेरे

वतनपेमेरेजिसदिनजराभीऑंचआएगी,

मेरेबदनकीहरएकसॉंसवतनकेकामआएगी।

आनसेज्यादानहींहैकीमतइसजिस्मोंकीजानकी,

जबदुश्मनसरउठाएगाउसकीअर्थीवहीउठजाएगी।

इतनासस्तानहींहैखूनमेरेवतनकेसिपाहीका,

करोड़बहनोंकाभाईजोपूतहैलाखोंमाईका।

जिसदिनबदनपेसैनिककेजराभीखरोंचआएगी,

जबदुश्मनसरउठाएगाउसकीअर्थीवहींउठजाएगी।

नहींहैसीखाहटनापीछेहमआगेबढ़तेजाते,

जबहमारीधरतीपेकिसीनापाककदमपड़जाते।

उनकोमारभगानेमेंखूनकीनदियॉबहादीजाएगी,

जबदुश्मनसरउठाएगाउसकीअर्थीवहींउठजाएगी।

बारूदहमाराबिस्तरहै,हमबमोंपेसररखकरसोतेहैं,

आहटसीइतनीहोतीहैहमझटउठकरखड़ेहोतेहैं।

हरगोलीबंदूककीदुश्मनकेसीनेतकजाएगी,

जबदुश्मनसरउठाएगाउसकीअर्थीवहीउठजाएगी।

नाम- आलोकजायसवाल

कक्षा- प्रथम

माँ

"मॉइसदुनियामेंसबसेसर्वश्रेष्ठहोतीहै। "
मॉसेबढ़करइसदुनियामेंकुछनहींहोता"
मॉकेलिएकोईकवितालिखूँयाकिसीकागजमेंमॉलिखूँ,
समझनहींआतामॉमैंतेरेलिएक्यालिखूं?

तेरीऑखोंमेंजोबेचैनीरहतीहै,
मेरीखातिर, कैसेउसकोदूरकरूँ
कैसेवहॉमेंसुकूनलिखूँ।

तेरीतेरेबलिदानोंकाक्याहिसाबदूँ, तेरीममताकैसेब्यानकरूँ।
तेरीगोदमेंजोराहतमिलतीहै
कैसेउसकोमैंबखानकरूँ।

तेरीबाहेंमेरीदुनियॉ
तेराऑंचलमेराआकाश
किनशब्दोंमेंमैंलिखूँ, तेरेसाथहोनेकाअहसास,
इनगिनी-चुनीलकीरोंसे, कैसेअपनाजहानलिखूँ,
कलमउठाईकागजनिकाला,अपनेहरजज्बातको,
शब्दोंमेंढालाजबलिखनेबैठातोलगाकिबस,
मॉलिखूँबसमॉलिखूँ।बसमॉलिखूँ।कीमांलिखूँ।

नाम- दिव्यांशी
कक्षा- पहली
आजकाशिष्य
नहींसुहातीचोरकोकभीचॉदनीरात,
आजकेशिष्यकोभलीनलगतीबात।।
भलीनलगतीबातपढ़ने-लिखनेकी,
क्लासवर्ककीयाहोमवर्ककी।।

कक्षामेंजाबैठेजैसेकोईहज़ारी,
तीनपीरियडबादफिरभागनेकीतैयारी।।
कपड़ेकीक्वालिटीयाहोब्यूटीशियनकीदुकान,
मोबाइलकेहरहिस्सेकीउसेहैभलीभॉतिपहचान।।

सुधारनाहोगाहमेंऐसेशिष्यको,
क्योंकिवहीबनाएगादेशकेभविष्यको।
तभीमिलेगीउसेपहचान,
देशकाबढ़ेगातभीसम्मान।।
नाम-साक्षी
कक्षा-ग्यारहवीं
सीख

एकबारएकबच्चाअपनेअध्यापकसेपूछताहै? कि "ये" बड़ेहमेंपूरीतरहआजादीक्योंनहींदेतेहमेशाहरबातपररोक-टोकीक्योंकरतेरहतेहैं।उससमयअध्यापककोईजवाबनहींदेतेहुएअगलेदिनएकपतंगलानेकोकहतेहैं।जबअगलेदिनबच्चापतंग लाताहै,

तबअध्यापकउसेपतंगउड़ानेकोबोलतेहैंथोड़ीदेरमेंजबपतंगसहीतरीकेसेबहुतऊपरउड़नेलगतीहैतबअध्यापकपूछतेहैंक्यायेऔरऊपरजासकतीहै?

बच्चाजवाबदेताहैहॉअगरइसकीडोरकाटदेतोअध्यापकनेडोरकाटनेकोकहा।डोरकाटतेहीपतंगहवामेंदिशाभूलइधर-उधरजानेलगीऔरफिरनीचेआकरगिरगई।तबअध्यापकनेसमझायाकिहमेंलगताहैकिहमेंबड़ेरोक-टोककरहमपरअपनीबातेंथोंपरहैहै।असलियतमेंवोसमझाकरआपकोसुनियोजितकरएकसहीदिशामेंजीवनमेंआगेबढ़ातेहैं, जिससेआपजीवनकीहरकठिनाइयोंकेलिएतैयारहोसकेऔरदिशाभूलगिरनेसेबचसके।

शिक्षक की कलम से

वो है शिक्षा

अंधकार को दूर कर जो प्रकाश फैला दे।
बुझी हुई आश में विश्वास जो जगा दे।।

जब लगे नामुमकिन कोई भी चीज।
उसे मुमकिन बनाने की राह जो दिखा दे वो है शिक्षा।।

हो जो कोई असभ्य, उसे सभ्यता का पाठ पढ़ा दे।
अज्ञानी के मन में, जो ज्ञान का दीप जला दे।।

हर दर्द की दवा जो बता दे.. वो है शिक्षा।
वस्तु की सही उपयोगिता जो समझाए।।

दुर्गम मार्ग को सरल जो बनाए।
चकाचौंध और वास्तविकता में अन्तर जो दिखाए।।

जो ना होगा शिक्षित समाज हमारा।
मुश्किल हो जाएगा सबका गुजारा।।

इंसानियत और पशुता के बीच का अन्तर है शिक्षा।
शाति, सुकून और खुशियों का जन्तर है शिक्षा।।

भेदभाव, छुआछुत और अधविश्वास दूर भगाने का मन्तर है शिक्षा।
जहाँ भी जली शिक्षा की चिंगारी, नकारात्मकता वहाँ से हारी।।

जिस समाज में हों शिक्षित सभी नर-नारी।
सफलता-समृद्धि खुद बने उनके पुजारी।।

इसलिए आओ शिक्षा का महत्व समझें हम।
आओ पूरे मानव समाज को शिक्षित करें हम।।

श्री भगवान दास (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक- हिन्दी)

शुरूआतकरकेतोदेखिए

निंदाकरनेवालेतोखूबमिलतेहैं,तारीफ़करनेवालेबनकरतोदेखिए।

संवेदनाओंसेजबजुड़जाएँगे, तोसबकेमददगारबनजाएँगे।

दिलकाखुलाहोनाअच्छाहै, दिलसेबुराईनिकालकरतोदेखिए।

अपनेकामकोशौकबनाइए,सफलताकीसीढ़ीचढ़जाइए।

ऐसीचीजेंहासिलहोजाएंगी,किजिन्दगीभरकामआएंगी।

कोईतोगुरुमन्त्रदीजिए,यदिकोईबातमनवानीहैतो,

सबसेमीठीबातकीजिए।

सबकामआसानहोजाएगा,

शुरूआतकरकेतोदेखिए।

श्रीमती जतिंद्र कौर (स्नातकोत्तर अध्यापिका,हिंदी)

अंग्रेजी विभाग

CONQUERING THE FEAR OF MATHS

GARIMA BHATT
TGT MATHS

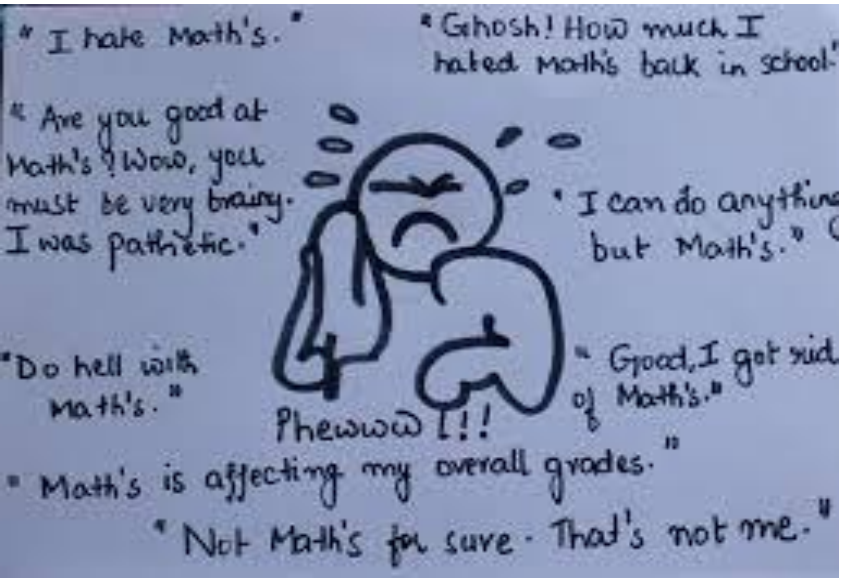

"Mathematics is the most beautiful and most powerful creation of the human spirit." – **Stefan Banach**

Mathematics, for many students, is no less than an enemy. Many students feel sleepy as soon as they open the Mathematics book. Their score in mathematics is very less. They just give up saying that they can't do it. Unfortunately, math avoidance leads to less competency, exposure and math practice, leaving students more anxious and mathematically unprepared to realize learning goals. This results in **Maths phobia.**

So, how can you help your child who has a fear of maths? "**Always do what you are afraid to do,"** said the American philosopher, Ralph W. Emerson. And, that is exactly what you should encourage your child to do - not to shy away from maths but rather, to embrace it. "**The only way to learn mathematics is to do mathematics**." – **Paul Halmos**

Here are ten tips, based on inputs from Dr Robinson Thamburaj, Professor, Department of Mathematics, Madras Christian College, to help your child overcome Maths phobia.

WHAT PARENTS AND TEACHERS CAN DO

1. Positive Attitude: 'I'm not good in Maths; I am stupid'. Such thoughts can hurt your child's self-esteem and confidence. Help your child understand that everyone has different abilities and he should be proud of his other accomplishments. Some extra effort from him and a little additional help will certainly help him do well in the subject.

2.Face It Squarely: Give time to your child. Sit with him and discuss her fear of maths. Help him accept the fact that he may not be enjoying the same comfort level with maths as he does with other subjects. Accepting the problem is the first step towards tackling it.

3. **Encourage More Practice**: Repeatedly working on maths problems helps improve mathematical skills. Therefore, encourage your child to solve maths problems every day. Set a time table for this practice. Investing extra time and effort will bring about a great change in both attitude and performance.

4. Turn Maths Simple And Funfilled: Simplify the learning method. Even complicated problems can be made easy by breaking them down into smaller, simpler steps. Involve your child in maths games ,puzzles and apps to make the process an enjoyable experience.

5.Think Maths As A Creative Subject: The general notion is that maths is not creative. Encourage your child to experiment with different ways of solving a problem. Introduce her to open-ended problems such as figuring out how many ways you can make a '5' by using the numbers 0 through 9 and '+' and '-' operations.

6. Connect With Daily Life: Try to integrate maths into your child's daily life, to make it more real and meaningful. When you go shopping, let your child pay for the purchases and collect the change. Reinforce the concept of fractions through slicing and sharing pizza. Cook together and get your child to measure portions for the recipe. Skip count while playing rope. Teach geometrical properties while drawing traditional patterns of Kolam or Rangoli and show beauty of Maths in Nature like Symmetry,GOLDEN RATIO, SPIRALS ,PATTERNS ETC.

7. **Encourage Cooperative Learning**: Pair-work and group-work to solve maths problems can be effective ways of reinforcing concepts learnt.

8. **Find Out The Root Cause**: It is essential to identify the root cause of the fear of maths and to look out for maths anxiety symptoms. Could it be that your child's early foundation in maths was weak? Sometimes, it just may be a fear of tests that causes Mathophobia. So, try not to place too much emphasis on tests. Also, avoid timed tests, as a focus on speed only adds to the anxiety and tension in these children.

9. Give Good Reasons To Study Maths: Help your child understand that for filing income tax returns or managing home budgets, she will need the help of numbers. A large percentage of jobs in the future will require maths skills. A strong foundation in the subject will help develop both logical thinking and problem-solving skills. Such motivation will lead to positive results.

10. Avoid Negative Comments: Avoid making statements like, 'Maths is so Hard', or 'you can't do this'.Don't compare your child with others or don't discouage him by passing negative comments Instead, encourage your child by saying things like, 'Maths was difficult for me too but I practiced a lot after getting guidance from my teacher.' Today, there are so many good resources online, fun activities and videos, which can help get better at the subject'.

Last, but certainly not the least, a teacher's attitude towards mathematics can have a huge influence. we teachers can demonstrate a love of **reading textbook when it comes to maths literacy,** we must show a love of maths. Teachers are instrumental in creating positive and active learning environments, such as by incorporating maths puzzles ,games,Art Integrated Lerning and interesting Projects.Teachers can encourage a healthy relationship between Maths and the learners' ***Mathematics is not about numbers, equations, computations, or algorithms: it is about understanding. –William Paul Thurston***

HAPPY LEARNING

THE ENGLISH FAMILY

Let me introduce you to English family. The dignified head of the family is called **Mr. Noun**.Like every English gentleman,he is accompanied by efficient wife. She is always therewhenever he needs her and her name is **verb**. The couple has several children. Each has definite character. Their daughter is **Adjective** and the **youngest** son **adverb** are mama's pet.

But the eldest son **Pronoun** is veryresponsible. He often takes his father's place when noun is busy elsewhere. **Preposition** is their maid, who stays with them. She loves them, comes for them and maintains good relationship between all the members of the family. They also have a dear friend **Conjunction**. He visits them and often joins the family in all activities. Finally, they have a cracky uncle **Interjection**. He is very emotional and sensitive he can live forever in exclamation. And all of them, live happy in a house called Parts of Speech.

BY - Yuvi (X)

Tongue Twisters

1. I scream , you scream, we all scream for icecream.

2. She sells sea shells by the seashore.

3. How much wood would a woodchuckchuck,if a woodchuckcould chuck wood?

4. Drew Dodd'sdad's dogis dead.

5.

Fred fed ted bread andTed fed fred bread.

6. Green glass globesglow greenly

7. Fuzzy wuzzy was a bear.

Fuzzy wuzzy had no hair.

Fuzzy wuzzy wasn't

very fuzzy , was he?

HIMANSHU KHARERACLASS VIII

India is the best

Our's is a land of sages,

Known for bravery for ages.

None can compete with

Its culture none can beat.

Whatever caste or religion,

All live here in unison.

With rivers, sweet fountains,

It's a land of high mountains.

Its green forests are pretty,

And are source of prosperity,

Come ,Let's work hard for its

Glory and safety, be an guard.

Name - BHAVYA

Class - 8th

GETTING ACQUAINTED WITH GENETICS

Willian Bateson (biologist) derived the word "Genetics" from the Greek word "genesis" meaning to grow into.

Genetics is a branch of biology dealing with inheritance and

variation. Consequent to this, evolution occurs. The terms heredity, variation, character, and trait are often used in genetics. Let's understand each one by one. Heredity is the transference of genes from one generation to another. Variation is the degree of differences (Genetics differences) in the progeny and between the progeny and parents. Character is a heritable feature that varies among individuals. Each variant of a character is called a trait. For example, skin colour is a character. Very fair skin, fair skin, light brown skin, dark skin, very dark skin, etc. are traits of the character skin colour.

Father of Genetics- Gregor Johann Mendel

Blending Theory of Inheritance (Discarded theory which says that a trait of an offspring will always be the mixture of that trait in both the parents) was widely believed before Mendel proposed the laws of inheritance in living organisms. Mendel conducted experiments on *Pisum sativum* (Garden pea plant), and it was for the first time that statistical analysis and mathematical logic were applied to problems in biology.

We know that a cell has a nucleus in it. The nucleus contains the genetic material, i.e., DNA (Deoxyribonucleic acid). But what is the unit of inheritance? How does it function? It is the gene, the physical and functional unit of inheritance. Gene is a distinct sequence of nucleotides in DNA that codes for a specific protein. Simply, gene is a segment of DNA.

Sujal Parmar

XII

An Old Man Lived in the Village

An old man lived in the village. He was one of the most unfortunate people in theworld. The whole village was tired of him; he was always gloomy, he constantly complained and was always in a bad mood.

The longer he lived, the more bile he was becoming and the more poisonous werehis words. People avoided him, because his misfortune became contagious. It was even unnatural and insulting to be happy next to him.

He created the feeling of unhappiness in others.

But one day, when he turned eighty years old, an incredible thing happened.Instantly everyone started hearing the rumour:

—An Old Man is happy today, he doesn't complain about anything, smiles, and evenhis face is freshened up.‖

The whole village gathered together. The old man was asked:Villager: What

happened to you?

—Nothing special. Eighty years I've been chasing happiness, and it was useless. Andthen I decided to live without happiness and just enjoy life. That's why I'm happy now.‖ – An Old Man

Moral of the story: Don't chase happiness. Enjoy your life.

Name: Khushi class- 8th

PURPOSE OF EDUCATION

Funny it is, being a studentBeing told what to do.
Not just at college or schoolBut at home too.

All this, is it really worthit.
You may ask yourself, andrightly so.
Doing what your teachers andparents say.

Will it really help you grow?

But to find out, there's oneway,
Build yourself, on all that youlearn
And keep learning more.

Be aware, chase what you want.Trust your intuitions, trust your goal.

Nothing stops you from beinggreat
As long as you got that fire inyour soul.

NAME-ARMAN
CLASS-XII

Famous Quotes by Indian Leaders

You must be the change you wish to see in the world.

- Mahatma Gandhi

Freedom is not worth having if it does not include the freedom to make mistakes.

- Pandit Jawaharlal Nehru

We have to shed mutual bickering, shed the difference of being high or low and develop the sense of equality and banish untouchability. We have to restore the conditions of Swaraj prevalent prior to British rule. We have to live like the children ofthe same father.

- Sardar Vallabhbhai Patel

Merciless criticism and independent thinking are the two necessary traits ofrevolutionary thinking.

- Bhagat Singh

Don't take rest after your first victory because if you fail in second, more lips arewaiting to say that your first victory was just luck.

- A.P.J Abdul Kalam

plane is always safe on the ground, but it is not made for that. Always take somemeaningful risks in life to achieve great heights.

- Chandrasekhar Azad

A country's greatness lies in its undying ideals of love and sacrifice that inspire themothers of the race. -

Sarojini Naidu

Life is all about a card game. Choosing the right cards is not in our hand. But playingwell with the cards in hand determines our success.

- Bal Gangadhar Tilak

Life loses half its interest if there is no struggle — if there are no risks to be taken.

- **Netaji Subhash Chandra Bose**

Life should be great rather than long.

– B.R. Ambedkar

Ignorance is always afraid of change.

– Pandit Jawaharlal Nehru

– NAME-HARDEEP

–

– CLASS -X

Common Proverbs with Meaning and Examples

1. All that glitters is not gold

Meaning: Something might not be as valuable as it seems to be

Example: Radhika bought an attractive bracelet recently, but it broke in less than a week. Allthat glitters is not gold.

2. A picture is worth a thousand words

Meaning: Explaining something is easier through a picture than by words

Example: It’s easier to learn from pictures than only text, since a picture is worth a thousandwords.

3. All good things come to an end

Meaning: Nothing great lasts forever

Example: It was a fantastic vacation, but all good things come to an end.

4. Beggars can’t be choosers

Meaning: People dependent on others must be content with what is offered to them

Example: People who depend on the generosity of others can’t pick & choose things as pertheir liking. They’ve to accept what is given to them.

5. A journey of a thousand miles begins with a single step

Meaning: It is necessary to take the first step to reach your goal

Example: I feel overwhelmed with all the tasks I have to finish, but I have to start withsomething since a journey of a thousand miles begins with a single step.

6. A bird in the hand is worth two in the bush

Meaning: What you have is better than what you might get

Example: I think I'll sell my car at the offered price instead of waiting for something higher. After all, a bird in hand is worth two in the bush.

7. Actions speak louder than words

Meaning: What someone does means more than what they say they will do

Example: She never bragged about her grades but secured the second position in the board exams. Truly, actions speak louder than words.

8. An apple a day keeps the doctor away

Meaning: Eating an apple daily keeps you healthy

Example: You won't fall ill if you eat the fruits, an apple a day keeps the doctor away.

9. An idle brain is the devil's workshop

Meaning: Evil thoughts come to us easily when we are idle

Example: You should give your daughter something to do in the afternoon, after all an idle brain is the devil's workshop.

10. Better safe than sorry

Meaning: It is better to take precautions than to regret later

Example: Don't ride your bike without wearing a helmet. It is better to be safe than sorry.

NAME-SHUBHANGI RATHORE

CLASS-XI